





# कच्चा मकान गिरने से मलबे में दबकर बच्ची की मौत

**मऊआइमा।** दो दिनों से रूक रूक हो रही बारिश से कच्चे मकानों के लिए घातक बन गया है। बीती रात कच्चा मकान गिरने से मलबे में दब कर एक मासूम बच्ची की मौत हो गई जबकि परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए हैं। जिन्हें प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर तहसील के जिम्मेदारान पहुंच कर क्षतिपूर्ति का अंदाजा लगा कर रिपोर्ट शासन को भेज दिए हैं। उधर परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार पर पुलिस ने मृतका खुशनुमा बानों के शव का पंचनामा भरकर पर्रिजनों को शव सौंप दिया। जिसको समीप स्थित कब्रिस्तान में दफना

दिया गया। परिजनों का रो रो करते बुरा हाल है। प्राप जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सराय वादशाहकुली उर्फ मदारी निवासी हिबजुरहमान का परिवार बीती रात घर में सोए हुए था। बताया गया है कि पड़ोसी जहीर उद्दीन का कच्चा मकान गिर कर हिबजुरहमान के घर पर गिर पड़ा। जिससे हिबजुरहमान का कच्चा मकान जमीनदोज हो गया। मलबे में पूरा परिवार दब गया। शोर सुनकर ग्रामीणों ने किसी तरह सभी को मलबे से निकाले मलबे में दबे होने के कारण हिबजुरहमान की पांच वर्षीय पुत्री खुशनुमा बानों की मौत हो गई। जबकि

हिबजुरहमान 40और उनकी पत्नी सबरून निशां 37.वर्ष तथा हिबजुरहमान का दस वर्षीय पुत्र मोहम्मद माबूद ,एवं पुत्री उममय्यन बानों सात वर्ष घायल हो गए। जिन्हें एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर तहसील मोहकमा मॉके पर पहुंच कर क्षतिपूर्ति का जांचाया लिए। तथा शासन को रिपोर्ट भेज दिए। परिजनों ने मृतक खुशनुमा का पोस्टमार्टम कराने से इंकार करने पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर कर शव परिजनों को सौंप दिए। गांव के समीप मोलबे से निकाले मलबे में दबे होने के कारण हिबजुरहमान की पांच वर्षीय पुत्री खुशनुमा बानों की मौत हो गई। जबकि

## ब्रेक फेल होने से पलटी ट्रक चालक खलासी घायल

**उतरांव।** उतरांव थाना क्षेत्र के जलालपुर अपना ढाबा के पास एक ट्रक का ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर पलट गई जहां चालक खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। कर्नाटक से पटना के लिए अदरक लादकर कर जा रही ट्रक जैसे ही उतरावा थाना क्षेत्र के जलालपुर हाइवे पर सुबह लगभग 2 बजे के करीब पहुंची थी की अचानक ट्रक का ब्रेक फेल हो जाने से चालक बहुत ही चालाकी के साथ ट्रक को पलटा दिया। वहीं ट्रक पलटने से चालक मोहम्मद रियाज निवासी सीतामढ़ी कर्नाटक के साथ ट्रक को पलटा दिया। वहीं ट्रक पलटने की आवाज सुनकर घायल चालक को स्थानीय लोगों ने अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया तथा पुलिस सूचना दी।

## हाइवे के किनारे दो दिन पूर्व मिले लावारिस शव की हुई पहचान

**प्रयागराज।** सोरांव थाना क्षेत्र में हाइवे किनारे दो दिन पूर्व मिले अंधेड़ के शव की गुरवार दोपहर पहचान कर ली गई। आशंका है कि उसकी हत्या की गई है। वह घर से बांबे जाने के लिए निकला था। फूलपुर थाना क्षेत्र के सुदी का पूरा गांव निवासी राम अघार (45) पुत्र नखई दो बेटे और एक बेटी एवं पत्नी रामकली का भरण-पोषण करने के लिए बांबे में किसी कम्पनी काम करता था। लेकिन कोरोना के चलते अपने घर आ गया था। बताया जा रहा है कि वह पुनः बांबे जाने के एक ट्रक में सवार होकर 20 सितम्बर को घर से निकला था। सोरांव थाने की पुलिस को 21

सितम्बर की सुबह उसका लावारिस हालत में शव मिला था। गुरवार को जब उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए चिकित्सकों ने खोला तो उसके जेब से एक मोबाइल नम्बर मिला। जिसके बाद डाक्टरों ने पोस्टमार्टम को रोक दिया और पुलिस से इस नम्बर पर फोन करके सूचना दे। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए सम्पर्क किया तो मृतक के परिजनों से बात हुई तो डाक्टरों ने कहा कि यह पोस्टमार्टम शुरूवार को होगा। उधर खबर मिलते ही मृतक के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और उसकी पहचान किया। आशंका जताई गई है कि उसकी हत्या की गई है।



## सामूहिक हत्या मामले में आरोपियों का नार्को एनालिसिस टेस्ट कराने का आदेश

**प्रयागराज।** दो वर्ष पूर्व सोरांव के बिगहिया गांव में हुई एक ही परिवार के चार लोगों की सामूहिक हत्या मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तीन आरोपियों का नार्को एनालिसिस टेस्ट कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि दो माह के भीतर आरोपियों का टेस्ट कराकर रिपोर्ट कोर्ट में पेश की जाए। आरोपी रवि पासो और अन्य की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर अपना नार्को टेस्ट कराने की मांग की गई है। याचिका पर न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्र प्रथम से सुनवाई की। याचिका का पक्ष रख रहे अधिवक्ता संगम लाल केसरवानी का कहना था कि अभियुक्तों ने खुद को नार्को टेस्ट कराने की अर्जी जेल में करते हुए दी थी जिस पर नौ जनवरी 2019 को सीजेएम ने और फिर नौ अगस्त 2019 तथा पांच फरवरी 2020 को सेशन कोर्ट ने अभियुक्तों का नार्को टेस्ट कराने का पुलिस को आदेश दिया था। मगर विवेकक जानबूझ कर टालते आ रहे हैं। बिना टेस्ट कराए उन्होंने अभियुक्तों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। मुकदमे का ट्रायल चल रहा है। याचिका का कहना है कि वह निर्दोष हैं, उनको झूठा फसाया गया है। इससे पूर्व हाईकोर्ट ने नार्को टेस्ट कराने में लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए अभियुक्तगणों का टेस्ट कराने का आदेश दिया था तथा प्रमुख सचिव गृह को निर्देश दिया था कि वह स्वयं मामले का सज्ञान लेकर टेस्ट कराने की कार्यवाही करें। कोर्ट ने एडीजी प्रयागराज को इस मामले में तलब भी किया था। एडीजी प्रेमप्रकाश ने अदालत में उपस्थित होकर बताया कि उन्होंने स्वयं गांधी नगर गुजरात स्थित फोरेंसिक लैब के निदेशक से बात की है। उन्होंने कोविड 19 और दूसरी व्यस्ताओं के कारण टेस्ट के लिए अकुंवर से पहले की डेट देने से मना किया था। मगर कोर्ट के आदेश की जानकारी देने के बाद वह 21 सितंबर और 30 सितंबर को राहुल पासो और आलोक पासो उर्फ लोकई का नार्को टेस्ट का एक स्लॉट कराने पर सहमत हुए हैं। डाक्टरों की कमी के कारण अभियुक्तों का टेस्ट तीन स्लॉट में होगा। तीसरे अभियुक्त सुनील उर्फ बाबा पासो के टेस्ट की अभी डेट नहीं दी गई है। शासकीय अधिवक्ता ने कहा कि एडीजी स्वयं इस मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और जल्दी से जल्दी अभियुक्तों का नार्को टेस्ट कराकर रिपोर्ट कोर्ट को दी जाएगी। इस पर कोर्ट ने याचिका के अधिवक्ता को एडीजी के हलफनामे का जवाब दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है। याचिका पर नवंबर माह में सुनवाई होगी। 2018 में सोरांव के बिगहिया गांव में प्रताप, उनकी पत्नी रिंकी देवी, उनकी सास और नाबालिग बच्चे की रात में सोते समय हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद कुल छह लोगों को अभियुक्त बनाया है। जिसमें तीनों याचिका भी शामिल हैं। अधिवक्ता संगम लाल केसरवानी का कहना है कि याचिका आरोपियों को इसलिए अभियुक्त बनाया गया क्योंकि उनके बारे में पुलिस को बताया गया कि वह लोग घटना के बाद से गांवव हैं और लगातार छिप रहे हैं। इससे उनके घटना में शामिल होने की संभावना है।

## एलटी ग्रेड अंग्रेजी टीचर भर्ती संशोधित परिणाम के खिलाफ याचिका पर जवाब तलब

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एलटी ग्रेड अंग्रेजी शिक्षक भर्ती का परीक्षा परिणाम संशोधित कर प्रतीक्षा सूची के अर्थर्थियों को मुख्य परिणाम में शामिल किए जाने के मामले में माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के सचिव से दो सप्ताह में जवाब तलब किया है। कोर्ट ने कहा है कि यदि सचिव जवाब दाखिल नहीं करते हैं उनको स्वयं अदालत में हाजिर होना होगा। परीक्षा में सफल हुए कई ओबीसी अर्थर्थियों ने परिणाम संशोधित कर धांधली का आरोप लगाते हुए कोर्ट में याचिका दाखिल की है। संजीव कुमार व अन्य की याचिका पर न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल सुनवाई कर रहे हैं। याचिका का कहना है की 2016 की एलटी ग्रेड भर्ती का अंतिम परिणाम 28 फरवरी 2020 को घोषित किया गया। याचिका ओबीसी कैटेगरी में चयनित हुए। इसके बाद 18 मार्च को चयन बोर्ड ने क्षेत्रीय आरक्षण में हुई गड़बड़ियों को दुरुस्त करते हुए संशोधित परिणाम जारी किया। इस परिणाम के साथ कट ऑफ लिस्ट जारी करते हुए पूरा रिजल्ट संशोधित कर दिया गया। संशोधित परिणाम में कई ओबीसी अर्थर्थियों जिनका चयन सामान्य की सीटों पर हुआ था, ओबीसी कैटेगरी में वापस चले गए। जबकि याचिका संगित 25 अर्थर्थी प्रतीक्षा सूची में चले गए और प्रतीक्षा सूची में शामिल 24 अर्थर्थी मुख्य परिणाम में आ गए। याचिका का कहना है यदि प्रतीक्षा सूची में शामिल अर्थर्थियों को अधिकतम अंक प्राप्त हुए थे तो पहले ही उनका नाम चयन सूची में क्यों नहीं आ गया। याचिका में संशोधित परिणाम रद्द करने की मांग की गई है। कोर्ट ने इस मामले में चयन बोर्ड के सचिव को दो सप्ताह में पूरी जानकारी देने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा है कि इस दौरान को भी चयन किए जाएंगे वह याचिका पर होने वाले अंतिम निर्णय पर निर्भर करेंगे।

## हेड कांस्टेबिलों को पदावनत कर पीएसी में भेजने के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई 28 को

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरवार को हेड कांस्टेबिल से कांस्टेबिल के पद पर रिवर्ट (पदावनत) किए गए सैकड़ों हेड कांस्टेबिलों की याचिका पर 28 सितम्बर को सुनवाई करने का निर्देश दिया है। यह आदेश जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता ने हेड कांस्टेबिल पारस नाथ पाण्डेय संभेत सैकड़ों हेड कांस्टेबिलों की याचिका पर दिया है। याचिका में 9 सितम्बर 2020 व 10 सितम्बर 2020 को पारित डीआईजी स्थापना, पुलिस मुख्यालय, उग्र व अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस मुख्यालय उग्र के आदेशों को चुनौती दी गयी है। इन आदेशों द्वारा सरकारी के विभिन्न जिलों में तैनात 890 हेड कांस्टेबिलों को पदावनत कर आरक्षी बना दिया गया है और उन्हें पीएसी में स्थानांतरित कर दिया गया है। प्रदेश सरकार को तरफ से अपर महाधिवक्ता मनीष गौरल ने इस केस में कोर्ट से तीन दिन का समय मांगा तथा कहा कि हम शासन इस मामले में आवश्यक जानकारी भी हासिल कर लेंगे। हेड कांस्टेबिलों की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम ने कोर्ट से पदावनत आदेश पर रोक लगाने की मांग की। कोर्ट ने इस मामले में सोमवार को सुनवाई करने को कहा है। याचिकाओं में मुख्य रूप से कहा गया है कि इतने वृहद स्तर पर हेड कांस्टेबिलों को पदावनत बगैर उन्हें सुनवाई का अवसर दिए करना नैसर्गिक न्याय के सिद्धान्त के विपरीत है। यह भी कहा गया कि याचियों को 20 वर्ष बाद सिविल पुलिस से पीएसी में वापस भेजना शासनादेशों के विरुद्ध है।

## रेलवे ओवर ब्रिज के खिलाफ याचिका, उचित मुआवजे की मांग

**प्रयागराज।** प्रयागराज की तहसील करछुआ के भीरपुर गांव के लोगों ने रेलवे ओवरब्रिज के लिए अविगृहीत भूमि का उचित मुआवजा दिलाने की मांग में याचिका दाखिल की है। पिछले कई दिनों से भीरपुर के किसानों द्वारा उचित मुआवजा दिलाने की मांग में आंदोलन भी चलाया जा रहा है। एक दर्जन किसानों की याचिका में कहा गया है कि उन्हें विभाग द्वारा न तो उस एरिया के सर्फिल रेट का मुआवजा दिया गया है और न ही भूमि अधिग्रहण अधिनियम - 2013 के अनुसार मुआवजा दिया जा रहा है। कहा गया है कि उस एरिया की मार्केट दर से भी मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। नेशनल हाइवे 76 से जुड़ी हुई जमीनों का रेट कामशियल है। किसानों की मांग है कि जब तक उचित मुआवजा नहीं दिया जाता तब तक उनकी अधिग्रहीत जमीनों में निर्माण कार्य न किया जाये। याचिका अधिवक्ता ने बताया कि सरकार व सेतु निगम किसानों के साथ नाइसाफी कर रहे हैं। किसानों को नये कानून के तहत मुआवजा पाने का अधिकार है।

# जसरा में ट्रक पलटी, लगा भीषण जाम



पलटी ट्रक को रास्ते से हटाता क्रेन

**जसरा।** जसरा के नई बाजार मोहल्ले में नाले की पुलिया के पास देर रात एक ट्रक पलट कर गड्डे में गिर गया। सुबह लोग मार्निंग वाक पर जब गये तो देखा और पुलिस को सूचना दिया। गुरुवार दोपहर बाद जब ट्रक को निकाला गया तो इलाहाबाद - बांदा राजमार्ग पर दोनों और

लगभग 4 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। वाहनों की कतारों में लोग देर तक फंसे रहे। बुधवार की देर रात जसरा के नई बाजार मोहल्ले में कर्वाँ से मिट्टी लादकर आ रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्डे में पलट गया। ट्रक का चालक अविनाश कुमार ट्रक पलटने से



भीषण जाम में फंसे लोग

पहले ही कूद गया जिससे वह घायल होने से बच गया। गुरुवार को दोपहर बाद गड्डे में गिरे ट्रक को जेसीबी व क्रेन की मदद से बाहर निकाल लिया गया। इसके

बाद घटना स्थल के दोनों ओर इस जाम से बेखबर बने रहे। बाद में पहुंची पुलिस प्रशासन ने किसी तरह यातायात व्यवस्था बहाल करवाया।

## मास्क नहीं लगाने वालों के खिलाफ चला अभियान

**शंकरगढ़।** यमुनापार के थाना शंकरगढ़ की पुलिस ने गुरुवार को कोविड-19 के प्रोटोकाल का अनुपालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की। विभिन्न स्थानों पर वाहन चेकिंग लगाकर शंकरगढ़ पुलिस ने मास्क नहीं लगाने वाले 20 लोगों का चालान कर जुमाना वसूला। इसी तरह कोविड-19 का संक्रमण फैलाने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ धारा 188, 269 के तहत एफआईआर दर्ज की। वाहन चेकिंग और भ्रमण के दौरान थानाध्यक्ष शंकरगढ़ राजेश उपाध्याय ने नगर पंचायत शंकरगढ़ और ग्रामीण क्षेत्र के सभी लोगों से मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोविड-19 प्रोटोकाल के अनुपालन को लेकर बार-बार लोगों को जागरूक किया जा रहा है, लेकिन लोग न तो मास्क का इस्तेमाल कर रहे हैं और न



बिना मास्क के घूमने वालों के खिलाफ कार्यवाई करती पुलिस

ही सोशल डिस्टेंसिंग का। शंकरगढ़ पुलिस द्वारा नगर पंचायत के राम भवन चौराहा, सदर् बाजार, लाइनपार,

शिवराजपुर सहित कई स्थानों पर की गई। चेकिंग से लोगों में अफरातफरी भी देखी गई।

## कोविड-19 से बचाव के लिए होगी कैमरे से निगरानी

### बिना बिना मास्क सड़क पर मिले तो होगी कार्यवाई : एसपी क्राइम

**एसएसपी के निर्देश पर प्रत्येक थानों में कोविड टास्क फोर्स का हुआ गठन**



**नैनी।** नवागत पुलिस उपमहानिरीक्षक/एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी द्वारा प्रयागराज जनपद में बड़े बड़े कोरोना महामारी के प्रभाव को देखते हुए जनपद के शहरी हिस्सों के साथ-साथ गंगापार व यमुनापार क्षेत्र में कोविड १९ से सुरक्षा के नियमों का पालन कराने के लिए सख्त दिशा निर्देश जारी किए हैं। जिसके तहत यमुनापार के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मास्क न लगाने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर गुरुवार को कार्यवाई करते हुए जुमाना वसूला गया। साथ ही सभी थानों पर कोविड १९ के तहत शहरी हिस्सों को दो दो

टास्क फोर्स एवं ग्रामीण इलाकों के थानों पर एक-एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। बातचीत के दौरान एसपी क्राइम आतशुतोष मिश्रा ने बताया कि कोविड टास्क फोर्स का प्रथमी एक उर्ध्वनिरीक्षक स्तर का अधिकारी होगा। इस टास्क फोर्स का दायित्व होगा कि लोगों को पीए सिस्टम द्वारा मास्क लगाने के लिए

प्रेरित करे, सोसल डिस्टेंसिंग का पालन कराए, हिदायत के बाद भी न मानने वालों से जुमाना वसूलते हुए उनके विरुद्ध थानों की दूसरी टीम बुलाकर वरिष्ठ कार्यवाई कराए। उन्होंने आगे बताया कि इस टास्क फोर्स को बाड़ी वार्न कैमरे भी मुहैया कराया जाएगा। जो बिना मास्क वालों की रिकार्डिंग भी करेंगे। जिसकी समीक्षा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जायेगी। बिना मास्क वालों पर सीसीटीवी कैमरे की भी नजर रहेगी। बुधवार को यमुनापार क्षेत्र के मेजा, माण्डा, कोरांव, खीरी, लालापुर, धूरपुर, शंकरगढ़, बारा, कौधियारा, करछुआ, औद्योगिक क्षेत्र, नैनी थाना क्षेत्रों में बिना मास्क सड़क पर मिलने पर कार्यवाई करते हुए जुमाना वसूला गया।

## आई जी साहब... कब सुधरेंगे आपके थानेदार

**मेजा।** आई जी साहब... आपराध नियंत्रण में नाकाम एवं लिफ्ट-खसोट एवं भ्रष्टाचार में लिफ्ट खीरी पुलिस आपके आदेशों को नहीं मानती है। सिलौधी कला गाँव की रहने वाली पीड़िता शांति देवी के साथ हुई मारपीट एवं लूटपाट की घटना इसका ज्वलंत उदाहरण है। आखिरकार कब सुधरेंगे आपके थानेदार।

**गौरतलब है कि खीरी थाना क्षेत्र के सिलौधी कला निवासी शांति देवी पत्नी विजय बहादुर पटेल व गाँव के कुछ दबंग लोगों के साथ जमीनी विवाद को लेकर 21 अगस्त को मारपीट व लूटपाट हुई थी जिसमें शांति देवी व उसकी नतिनी प्रतिभा एवं पति विजय बहादुर को गंभीर चोटें आयी थी। पीड़िता शांति देवी ने बताया कि उसके द्वारा घटना के दिन ही थाना खीरी में तहरीर दी गयी थी लेकिन लूट-खसोट एवं भ्रष्टाचार में लिफ्ट खीरी पुलिस ने उसकी रपट दर्ज नहीं किया और न चोटहिलों की डाकटरी करायी। तत्पश्चात बीते 27 अगस्त को वह पुलिस**

## आधार कार्ड संशोधन में जुट रही भीड़ से उड़ रही सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

### जबरदस्त भीड़ के कारण आये दिन लोग एक दूसरे से मारपीट और हंगामा भी करते हैं

**मेजा।** नगर पंचायत सिरसा स्थित डाकघर में प्रशासन द्वारा जारी निर्देश पर आधार कार्ड संशोधन का कार्य किया जा रहा है। कार्ड संशोधन को लेकर भारी भीड़ जुट रही है। सुबह से ही कतारबद्ध तरीके से लोग कार्ड संशोधन के लिए पहुंच रहे हैं लेकिन उन्हें कोरोना का जरा भी भय नहीं है। बगैर मास्क तथा सामाजिक दूरी का न पालन करते हुए आपाधापी में लोग एक दूसरे से चिपक कर खड़े हैं। जबरदस्त भीड़ के कारण लोग एक दूसरे से मारपीट और हंगामा भी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सिरसा पुलिस चौकी के एक सिपाही की ड्यूटी लगा दी जाए तो मारपीट की नौबत ना आए और लोग सोशल डिस्टेंस और मास्क लगाकर पहुंचे लेकिन सिरसा पुलिस कार्मियों को जैसे इस मामले की जानकारी ही नहीं है। जहां एक तरफ प्रशासन तमाम प्रकार के



पुलिस की मौजूदगी में सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती भीड़

हथकंडे अपना कर कोरोना महामारी से बचाव के तरीके ढूँढ रही है वहीं नगर पंचायत सिरसा में ठीक उसके उलट डाकघर में सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ाने जा रही हैं। समय रहते प्रशासन नहीं जागा तो किसी दिन कार्ड संशोधन कराने पहुंच रहे उपभोक्ताओं के द्वारा जबरदस्त बवाल हो सकता है। प्रशासनिक लापरवाही के चलते कोरोना वायरस फैलने का भय बना है।

## बारिश के बाद मुगर्सन पीडब्ल्यूडी रोड पर भारी जल-जमाव, आवागमन में दिक्कत

**उतरांव।** उतरांव थाना क्षेत्र के मुगर्सन रोड पर हल्की बारिश में भी रोड तालाब में तब्दील हो जाती। जिसका कारण नाली की सफाई ना होना। नाली की सफाई न होने से बारिश का पानी सड़क पर बहने लगता है। यह कोई नई बात नहीं है बारिश की बात तो दूर रोजमर्रा का भी पानी सड़क पर ही बहता रहता है। वहीं इस पर ना तो विभागीय अधिकारियों का ध्यान जाता है और ना ही गांव में नियुक्त सफाई कर्मी को गुरुवार को दोपहर में हुई भारी बारिश से पूरा सड़क जलमग्न हो गया। वहीं रोड से आ जा रहे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यह फूलपुर हनुमानगंज का मुख्य मार्ग है जिस पर भारी मात्रा में लोगों का आवागमन लगा रहता है। अधिकारियों सफाई कर्मी की उदासीनता से सड़क पर हमेशा जलजमाव बना रहता है। पानी लगने से बनी पीडब्ल्यूडी की सड़क खराब हो चुकी है। अब तक के लगभग एक दर्जन से ज्यादा लोग पानी में धिर कर घायल हो चुके हैं।



# प्रयागराज हलचल

प्रयागराज शुकवार, 25 सितम्बर, 2020

## संक्षेप समाचार

### प्रवक्ता के पदों का परिणाम घोषित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने गुरुवार को प्रवक्ता प्राचीन इतिहास के दो तथा प्रवक्ता उर्दू के छह पदों हेतु परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग के उप सचिव पुष्कर श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया है कि आयोग के विज्ञापन सं. 05/2016-17 एवं शुद्धि पत्र सं. 01/2017-18 विभाग सं. एस 3/31 द्वारा उच्च शिक्षा विभाग, उ.प्र. के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालयों के प्रवक्ता प्राचीन इतिहास के दो पदों हेतु 17 सितम्बर 2020 को साक्षात्कार हुआ था। जिसमें आयोग द्वारा बृजेश यादव एवं बसन्त कुमार को उपयुक्त पाते हुए नियुक्ति हेतु संस्तुत किया गया है। इसी प्रकार उच्च शिक्षा विभाग, उ.प्र. के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालयों के प्रवक्ता उर्दू के छह पदों हेतु 15 सितम्बर 2020 को साक्षात्कार आयोग द्वारा सम्पन्न हुआ था। जिसमें छह अभ्यर्थियों गजानन्द साईद, जिया तसनीम, मोहम्मद अफजल, अयाज खलील, ईरम नईम व मोहम्मद कासिम को उपयुक्त पाते हुए नियुक्ति हेतु संस्तुत किया गया है।

## हाईकोर्ट के आदेश का पालन न करने पर निदेशक बेसिक शिक्षा को चेतावनी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बार बार समय देने के बावजूद कोर्ट आदेश का पालन न करने पर अंतिम अवसर देते हुए सख्त चेतावनी दी है कि यदि आदेश का पालन नहीं किया गया तो निदेशक बेसिक शिक्षा के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया जायेगा।

कोर्ट ने याची को 68500 टीचरों की भर्ती में कार्डिनसिंग के लिए बुलाने और सफल होने पर परिणाम घोषित करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि ऐसा न करने की स्थिति में कोर्ट को कारण बताया जाए। कहा गया है कि इस आदेश की अवहेलना की जा रही है। सरकारी वकील ने बताया कि



अधिकारी से वार्ता न हो पाने के कारण आदेश का पालन नहीं किया जा सका। याचिका की सुनवाई 14 अक्तूबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र ने नेहा परवीन की याचिका पर दिया है। याची का कहना है कि कोर्ट आदेश से उसे एक अंक दिये गये हैं। जिससे वह कार्डिनसिंग के लिए बुलाने की हकदार हो गयी

है। इस पर कोर्ट ने 30 जुलाई को याची को कार्डिनसिंग के लिए बुलाने का आदेश दिया था। इसका पालन न करने पर कोर्ट ने 2 सितम्बर को आदेश का पालन करने या इसका पालन न करने का कारण बताने का निर्देश दिया था और जवाब मांगा था। न तो जवाब दिया गया और न ही आदेश का पालन किया। तो कोर्ट ने आदेश के पालन का अंतिम अवसर देते हुए कहा कि निदेशक हलफनामा दाखिल करे और ऐसा नहीं करने पर हाजिर हो। इस आदेश का भी पालन नहीं किया गया है।

### एल टी ग्रेड टीचर भर्ती का परिणाम चार सप्ताह में घोषित करने का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एलटी ग्रेड अध्यापक भर्ती का परिणाम चार सप्ताह में घोषित करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि याचौगण अदालत के आदेश की प्रति आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें और आयोग परिणाम घोषित करें। भर्ती परिणाम घोषित करने की मांग को लेकर धीरेंद्र प्रताप सिंह और 20 अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिका पर न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र ने यह आदेश दिया। आयोग के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि भर्ती परीक्षा को लेकर तमाम तरह के आरोप लगे थे। जिसकी जांच के लिए एसआईटी गठित की गई थी। अब एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। रिपोर्ट मिलने के बाद आयोग परीक्षा का परिणाम घोषित करने की तैयारी कर रहा है। उन अभ्यर्थियों को छोड़कर जिनके नाम एसआईटी की रिपोर्ट में हैं और जिनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है, शेष सभी के परिणाम एक माह के भीतर घोषित कर दिए जाएंगे। आयोग की इस अंडरटेकिंग को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने चार सप्ताह में परिणाम घोषित करने का आदेश देते हुए याचिका निस्तारित कर दी है। एलटी ग्रेड भर्ती का विज्ञापन 2018 को जारी हुआ था। इसके लिए प्रदेश भर में परीक्षा कराई गई परीक्षा के दौरान ही इसमें धांधली की शिकायतें सामने आईं और पूरी परीक्षा विवाद में फंस गई। इसे देखते हुए प्रकरण की जांच एसआईटी को सौंप दी गई।

## बंद मकान से चोरों ने नकदी समेत लाखों रुपए के जेवरात उड़ाए

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के (मियां खुर्द) मियां का पूरा गांव में बीती रात चोरों ने एक बार फिर चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए एक बंद मकान को खंगाल ले गए। चोर नकदी समेत लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस पड़ताल करते हुए भुक्तभोगी की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर की है।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र स्थित चक पुरे खुर्द ग्राम सभा के अंतर्गत मियां खुर्द (मियां का पूरा) गांव निवासी राजेश मिश्र का पुरतैनी मकान है। जबकि उनका एक मकान नैनी कोतवाली क्षेत्र के जमुना नगर में भी है। इनकी पत्नी सीमा मिश्रा जमुना नगर स्थित मकान में रहती हैं और वह उक्त गांव में स्थापित जूनियर विद्यालय में बतौर शिक्षिका का पद पर तैनात हैं। बताया जाता है कि चोरों ने मौका पाते ही बंद मकान के अंदर बाउंड्रीवाल फांद कर दाखिल हो गए और एक एक कमरे का ताला तोड़कर वहां पर रखे अलमारी, बक्सों व का लालक तोड़कर लगभग 30 हजार नकदी व लाखों रुपए के सोने चांदी से निर्मित आभूषण समेत अन्य कई सामान चोरी कर फरार हो गए। बता दें कि लगभग एक माह पूर्व इसी गांव में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए हजारों रुपए नकदी समेत लाखों रुपए के सामान समेत ले गए थे।



चोरी के बाद बिखरा सामान

उस वक्त पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उन्हें छोड़ दिया था। जो लोगों के बीच चर्चा का केन्द्र बना हुआ था। ग्रामीणों की मानें तो चोर आसपास के ही रहने वाले हैं जो आए दिन चोरी की वारदात को अंजाम देते हैं जुटे हुए हैं। साथ ही कई शांतिर किस्म के मुकदमे इन दिनों जेल से जमानत मिलने पर बाहर आए हुए हैं। वहीं कुछ दिन पूर्व ही इसी गांव से सटा हुआ मसिका स्थित प्राइमरी पाठशाला में चोरों ने कमरों का ताला तोड़कर कई उपकरण चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर शक के दायरे में आए कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी हुई है।

### राष्ट्रीय सेवा योजना ने पौधरोपण कर मनाया स्थापना दिवस

प्रयागराज। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना-स्वर्ण जयन्ती महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना दिवस बड़े हब्सल्लास एवं पौधरोपण कर मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में करौदा, नीम, अशोक, तुलसी, गुलदाउदी और गैदा इत्यादि पौधों का रोपण किया गया। जिसका शुभारंभ महाविद्यालय के अध्यक्ष, शास्त्री निकाय पंजक जायसवाल द्वारा अशोक का पौधा लगाकर किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रमा सिंह ने करौदा एवं समाजसेवी मुकेश जायसवाल ने नीम के पौधे लगाये।

## पूर्व पार्षद समिति ने महापौर को बढ़ा जलकर वापस लेने को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। बढ़ा जलकर वापस लेने की घोषणा के बावजूद आदेश निर्गत न करने के विरोध में पूर्व पार्षद संघर्ष समिति का एक प्रतिनिधि मंडल महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी से मिलकर ज्ञापन देकर वार्ता की। जिस पर महापौर ने अगले वित्तीय वर्ष से बढ़े जलकर लागू करने का आश्वासन दिया है।

पूर्व वरिष्ठ पार्षद शिवसेवक सिंह ने ज्ञापन में जलकल विभाग नगर निगम प्रयागराज के महाप्रबंधक हरिशचन्द्र बाल्मीकि द्वारा वाटर टैक्स में बढ़ोतरी को समाप्त कर हाउस टैक्स की भांति आगामी वित्तीय वर्ष 2021-2022 से कोरोना संकट को दृष्टिगत रखते हुए नये स्लैब बनाकर वाटर टैक्स में वृद्धि करने, नियमावली 2013 के तहत शहर के विभिन्न मोहल्ले में स्थित छोटी-छोटी दुकानों पर आवस्यक दर का पांच गुना हाउस टैक्स वित्तीय वर्ष 2014-2015 से लागू करने का विरोध करने तथा



महापौर से वार्ता करते हुए पूर्व सांसद समिति

पार्षदों द्वारा बढ़ाये गये हाउस टैक्स के विरोध में नियमावली 2013 में संशोधन की लम्बित कार्यवाही पूर्ण होने के उपरांत नये संशोधन के

आदेश आने तक हाउस टैक्स न जमा करने की अपील की। कहा कि जिन छोटे दुकानदारों ने हाउस टैक्स व वाटर टैक्स नहीं जमा

किया है उन पर छह वर्ष पहले से यानी वित्तीय वर्ष 2014 से 2020 तक पुराने स्लैब व नये गृह मूल्यांकन के अनुसार जुमाना

बतौर वाटर टैक्स में वृद्धि किया जाना दोहरा दंड देने के समान है। अतः उन पर बढ़ाये गये वाटर टैक्स को समाप्त कर आगामी वित्तीय वर्ष 2021-2022 से लागू किया जाय।

महापौर ने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2020-2021 से वाटर टैक्स में किये गये वृद्धि को वापस कैसे कर सकते हैं। पिछले पांच साल के परिचय के रूप में डिमांड अप्रैल के पूर्व टैक्स लागू करने का निर्णय हो जाना आवश्यक है। अतः कोरोना संकट देखते हुए हाउस टैक्स की भांति वाटर टैक्स में वृद्धि भी आगामी वित्तीय वर्ष 2021-2022 से ही लागू करने की मांग की। जिस पर महापौर ने हाउस टैक्स की भांति वाटर टैक्स में भी भवन स्वामियों को राहत देते हुए कोरोना संकट को दृष्टिगत रखते हुए आगामी वित्तीय वर्ष 2021-2022 से ही लागू करने का आश्वासन दिया है।

किया था। जब जुलाई माह 2020 तक कोई बकाया नहीं था तो एरियर कहा से आ गया। उच्च न्यायालय इलाहाबाद और सुप्रीम कोर्ट ने हाउस टैक्स के सम्बंध में यह आदेश पारित किया है कि पूर्ववर्ती तिथि से नया टैक्स का निर्धारण करना गलत एवं विधि विरुद्ध है। यदि नया टैक्स लागू करना है तो नया वित्तीय वर्ष प्रारम्भ होने से पहले यानी 01 अप्रैल के पूर्व टैक्स लागू करने का निर्णय हो जाना आवश्यक है। अतः कोरोना संकट देखते हुए हाउस टैक्स की भांति वाटर टैक्स में वृद्धि भी आगामी वित्तीय वर्ष 2021-2022 से ही लागू करने की मांग की। जिस पर महापौर ने हाउस टैक्स की भांति वाटर टैक्स में भी भवन स्वामियों को राहत देते हुए कोरोना संकट को दृष्टिगत रखते हुए आगामी वित्तीय वर्ष 2021-2022 से ही लागू करने का आश्वासन दिया है।

## सफाई कर्मचारी का हुआ तबादला तो अधिकारी पर ही लगा दिया आरोप

प्रयागराज। करछना विकासखंड में एक सफाई कर्मचारी कई वर्षों से कार्य कर रहा था। प्रशासनिक आधार पर सफाईकर्मों का अन्य विकास खंड में स्थानांतरण कर दिया गया तो सफाई कर्मों ने अपने अधिकारी पर ही रिश्तत मांगने का आरोप लगा दिया। सफाई कर्मों का कहना था कि स्थानांतरण रोकने के लिए अधिकारी रुपया मांग रहे थे जब रुपया नहीं दिया तो अन्य विकासखंड में स्थानांतरण कर दिया। हालांकि जांच पड़ताल के दौरान सफाईकर्मों की सारी बातें निराधार निकली और सफाईकर्मों को निर्लांबित कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार करछना विकासखंड में मधुकर पांडे सफाई कर्मचारी है। वह 10 वर्षों से एक ही विकासखंड में कार्य कर रहा था। प्रशासनिक आधार पर उसका स्थानांतरण उरूवा विकास खंड में हो गया। अपने स्थानांतरण से सफाई कर्मों अर्सतुष्ट था। वह करछना विकासखंड में ही काम करना चाहता था वह उरूवा विकासखंड नहीं जाना चाहता था। सफाई कर्मचारी मधुकर पांडे ने मुख्यमंत्री को ट्वीट कर शिकायत किया कि हस्तांतरण रोकने के लिए अधिकारी रुपए का डिमांड कर रहे थे नहीं देने

### मुख्यमंत्री सहित सोशल मीडिया पर दिया भ्रामक सूचनाएं देने पर हुआ निर्लांबित

पर उन्होंने उरूवा विकासखंड में स्थानांतरण कर दिया। हालांकि यह बातें सब निराधार निकली, सफाई कर्मचारी का आरोप झूठा पाया गया। प्रशासन ने सफाई कर्मचारी मधुकर पांडे को निर्लांबित कर दिया है। जांच पड़ताल में पाया गया कि मधुकर पांडे सोशल मीडिया व्हाट्सएप के जरिए भ्रामक सूचना फैलाया तथा उरूवा विकास खंड में स्थानांतरण के पश्चात भी नौकरी में योगदान नहीं किया। जब अधिकारियों ने कारणा बताओ नोटिस जारी किया तो उसका भी जवाब नहीं दिया। सफाई कर्मों ने आचार संहिता का उल्लंघन किया तथा अपने उच्चाधिकारियों के आदेशों, निर्देशों की अवहेलना किया जिससे सफाई कर्मों को निर्लांबित कर दिया गया।

निर्लांबित के अनुबंध में मधुकर पाण्डेय को वित्तीय नियम संग्रह खण्ड दो भाग दो से चार के मूल नियम 53 के प्राविधानों के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि आधे वेतन पर दे अवकाश वेतन की राशि के बराबर देय होगी तथा इन्हें जीवन निर्वाह भत्ते की धनराशि पर महंगाई भत्ता, यदि ऐसे अवकाश वेतन पर देय है

भी अनुमन्य होगा किन्तु ऐसे कर्मचारी को जीवन निर्वाह भत्ते के साथ कोई महंगाई भत्ता देय नहीं होगा। जिन्हे निर्लांबित के पूर्व प्राप्त वेतन के साथ महंगाई भत्ता तथा महंगाई भत्ते पर उपात्तित समायोजन प्राप्त नहीं था निर्लांबित के को प्राप्त वेतन के आधार पर अन्य प्रतिक कर भत्ते भी निर्लांबित अवधि में इस शर्त पर देय होंगे, जब इसका समाधान हो जाय कि उनके द्वारा उस मद में व्यय वास्तव में किया जा रहा है। जिसके लिए उक्त प्रतिकर भत्ते अनुमन्य हैं। सफाई कर्मचारी का भुगतान तभी किया जायेगा कि सफाई कर्मचारी इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे कि वह किसी अन्य सेवायोजना व्यापार, वृत्ति व्यवसाय में नहीं लगे है। निर्लांबित की अवधि में मधुकर पाण्डेय सफाई कर्मों जनपद मुख्यालय से संबद्ध रहेंगे। तथा उक्त प्रकरण में आशुतोष कुमार सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी प्रयागराज को जांच अधिकारी नामित करते हुए निर्देशित किया जाता है कि एक पक्ष के अन्दर आरोप पत्र तैयार कर अधोहस्ताक्षरी के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करें।

### ट्रैक्टर की टक्कर से बीएससी के छात्र की मौत

प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र के इमिलहवा चौराहे के समीप गुरुवार दोपहर ट्रैक्टर की टक्कर से बीएससी के छात्र की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। मीराजापुर थाना क्षेत्र के देहात कोतवाली के सना मोहल्ला निवासी हिमांशु सोनकर उर्फ अरुण सोनकर (24) पुत्र झल्लाराम सोनकर बहन और दो भाईयों में बड़ा था। बताया जा रहा है कि मेजा थाना क्षेत्र में अपनी बहन के घर रहकर करछना थाना क्षेत्र के पनासा में स्थित डिग्री कालेज से बीएससी कर रहा था। गुरुवार दोपहर अपनी बहन के घर स्कूटी से परीक्षा देने के लिए निकला। रास्ते में मेजा के इमिलहवा चौराहे के समीप उसकी स्कूटी में ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। टक्कर से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के समय सूचना पर नैनी पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसके पास से मिले मोबाइल नंबर से परिजनों को खबर दी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार के लोग बदहवास हालत में मौके पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके विधिक कार्रवाई की। अपर पुलिस अधीक्षक यमुनापार चक्रेश मिश्रा ने बताया कि एक छात्र की मौत हुई है। स्थानीय पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।

## जो सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है : नरेंद्र सिंह

प्रयागराज। सरकारी संस्थानों को निजी हाथों में सौंप कर नौजवानों को बेरोजगार बनाने, तथा किसानों के मेहनत और पसीने को धनासेतों के तिजोरी में कैद करने वाली भाजपा सरकार को हटाना होगा। जो सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है..उक्त बातें सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश सचिव नरेंद्र सिंह अपने नेता अखिलेश यादव द्वारा जारी डिजिटल पत्रक को छपा कर मेजा क्षेत्र के सभी वर्गों में वितरण करते हुए कहा है।

कई दिनों से लगातार पत्रक वितरण के क्रम में गुरुवार को नरेंद्र सिंह ने मेजा क्षेत्र के कई किसानों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, परिवोर् तथा युवाओं से मिलकर प्रदेश में पुनः अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए 'अगस्त क्रांति' की समाजवादी 'दिशा' पत्रक सौंपकर तथा लाल टोपी पहना कर सपा के समर्थन की अपील की। मेजा क्षेत्र के विसहिजन, बरसेता, मैदनिया, बिरतिया,



लोगों को डिजिटल पत्रक सौंपते सपा नेता नरेंद्र सिंह

बंधवा, दरी, सहित विभिन्न गांवों में भ्रमण करते पत्रक बांट कर 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए सहयोग की अपील की। सपा नेता नरेंद्र सिंह ने कहा कि 1970 से 2020 तक, इन पचास सालों में growth of income का आँकड़ा बताता है कि किसान की आय में केवल

उन्नीस गुना बढ़ोतरी हुई है, जबकि अन्य स्रोतों से होने वाली आय में पचास से लेकर ढाई सौ गुना तक बढ़ोतरी हुई है। किसानों के लिए इससे बड़ी दयनीय स्थिति क्या हो सकती है? उन्होंने कहा कि हठधर्मों और दुराग्रही सरकार द्वारा लाया गया किसान बिल 'सनक और हनक' का परिणाम है। सरकार को आड़े

हाथों लेते हुए कहा कि अहंकार से सरकार तो चल सकती है, लेकिन देश नहीं चलाया जा सकता। सरकार का यह पतनकारी कदम भाजपा के प्रचण्ड पतन का प्रारंभ है। सपा नेता नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा शासन में आम आदमी को निराश और हताश होना पड़ा है। तमाम

वादे कर सत्ता में आने के बाद भाजपा देश में पूंजीवाद को बढ़ावा दे कर, देश की आर्थिक और सामाजिक दशा को तहसन-तहस कर रही है। उन्होंने सर्व कल्याण के लिए समाजवाद को ही सही रास्ता सुझाया है। इस अवसर पर पर सुदेश यादव प्रधान, हुजेन्द्र यादव प्रधान, उदन्तर राकेश तिवारी, हिमांशु कुमार सिंह, अशोक सिंह, भोला पाल, अशर्मा पाल, प्रताप बहादुर पटेल, पारस निषाद, राम बाबू गौड़, मनोज निषाद, मोहम्मद तालिब, निषाद अली, अजमत अली, उमाकान्त निषाद, भाई लाल निषाद, कल्लन निषाद, ओम प्रकाश पाल, ह्वकन निषाद, सुवा लाल पाल, संजीव पाल, प्रशांत कुशवाहा, पीयूष कुशवाहा, बृजेश कुशवाहा, भौदू मुसहर, बसन्ती मुसहर, सरस्वती मुसहर, जानी मुसहर, आनन्द आदिवासी, कम्लनेत्र आदिवासी, भुपर आदिवासी, रविशंकर पटेल, संजय गुप्ता, नारायण दास, धर्मेन्द्र कुमार शर्मा इत्यादि लोग शामिल रहे।

## मंत्री सुनील भराला ने राजा भइया को दी चुनौती

कुण्डा। प्रतापगढ़ के कुंडा पहुंचे श्रम विभाग के दर्जा प्राप्त मंत्री सुनील भराला ने दी सूबे के बाहुबली नेताओं में शुमार राजा भइया को चुनौती। राजा भइया के बाद में कलराज मिश्र के बाद एक बार फिर सुनील भराला ने राजा भइया पर बड़ी कार्यवाही की कही बात। मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और राजा भइया पर होगी बड़ी कार्यवाही। सुनील भराला ने कार्यकर्ताओं को किया आश्वस्त, बताया उत्तर प्रदेश में गैंगेस्टर अपराधियों पर जो गुंडागर्दी और अराजकता करके प्रॉपर्टी कमाई गई थी, ऐसे हजारों माफिया डॉन की दो सौ डिग्रियासट करोड़ की प्रॉपर्टी अब तक जब्त की गई है। हजारों माफिया डॉन जेलों के अंदर टोके गए है। मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और राजा भैया जैसे माफियाओं पर शिकंजा कसने के काम भाजपा की सरकार कर रही है। किसी भी माफिया, अपराधी और गुंडे को किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी। माननीय योगी आदित्यनाथ जी जो लक्ष्य सूबे में सुशासन लागू करना, गरीबों व श्रमिकों को लाभ



राजा भइया पर कार्यवाही की बात करते मंत्री सुनील भराला

### दूध लेने गई महिला के गले से जंजीर छीनी

नैनी। क्षेत्र के चकराना तिवारी, चाका में गुरुवार सुबह घर से दूध लेने निकली एक महिला के गले से बाइक सवार बदमाश सोने की जंजीर खींचकर भाग गए। पीड़िता ने नैनी कोतवाली में इसकी शिकायत की है। चकराना तिवारी की रहने वाली रामसवारी देवी पत्नी अमर चंद्र गुरुवार सुबह घर से दूध ?लेने गई थी। लौटते समय घर के समीप एक बाइक से दो लड़के आए और पता पूछने के बहाने रामसवारी को रोक लिए। बातचीत के दौरान ही पीछे बैठे युवक ने रामसवारी के गले से सोने की जंजीर झपट्ट मारकर खींच ली और फरार हो गए।

पहुंचाना, उपरीड़न करने वालों, भागफियाओं पर नकेल कसना ये भाजपा के मुख्य एजेंडे में है। मुख्यमंत्री जी की इच्छाशक्ति है चाहे जितना प्रभावशाली हो, बलशाली हो, बाहुबली हो उसके द्वारा अराजकता, कानून की अवहेलना बर्दास्त नहीं की जाएगी। इस दौरान मंत्री जी के साथ भाजपा नेता शिव प्रकाश मिश्र सेनानी और जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्र भी रहे मौजूद।

## प्रयागराज पुलिस ने हत्या एवं अपहरण समेत तीन मामलों किया खुलासा

प्रयागराज। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी गुरुवार को मासूम बच्चे के अपहरण सहित तीन मामलों को खुलासा करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना शासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि करेली के करेहदा से 22 सितम्बर को अपहृत हुए 15 माह के जीयान पुत्र मंसूर अली को क्राइमब्रांच एवं करेली थाने की संयुक्त टीम ने 48 घंटे के अन्दर गुरुवार दोपहर बरामद कर लिया। टीम ने अपहरण करने वाले आरोपित नन्हे पुत्र शौकत अली निवासी विहारगंज अनुू प्रतापगढ़ और मऊआसं थाना क्षेत्र के बसौनापुर गांव निवासी दिलदार पुत्र सलीम को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया जाएगा। इसी तरह सराय इनायत थाने की पुलिस ने सहसो बाजार में 16 सितम्बर को शाम कोयला कारोबारी रमेश सिंह की हुई हत्या का खुलासा करते हुए संतोष कुमार यादव पुत्र धरश्याम निवासी चिकिया घरहा थाना सराय इनायत और पंचम उर्फ सचेन्द्र प्रताप सिंह को सहसो चौराहे के समीप गुरुवार दोपहर गिरफ्तार किया। टीम ने हत्या में प्रयुक्त तमंचा एवं मोटर साइकिल बरामद किया। पकड़े गए आरोपितों में नवाबगंज थाना क्षेत्र के आदमपुर गांव निवासी अजय विश्वकर्मा, लखनपुर निवासी उदय प्रताप, विकास एवं आदमपुर निवासी नीरज है। सभी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा है।

हुआ कि प्रधानी चुनाव की रजिशन में हत्या की गई। दोनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जा इसी तरह सराय इनायत थाने की पुलिस ने सहसों बाजार में 16 सितम्बर को अपहृत हुए 15 माह के जीयान पुत्र मंसूर अली को क्राइमब्रांच एवं करेली थाने की संयुक्त टीम ने 48 घंटे के अन्दर गुरुवार दोपहर बरामद कर लिया। टीम ने अपहरण करने वाले आरोपित नन्हे पुत्र शौकत अली निवासी विहारगंज अनुू प्रतापगढ़ और मऊआसं थाना क्षेत्र के बसौनापुर गांव निवासी दिलदार पुत्र सलीम को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जा रहा है। इसी क्रम में साराय थाने की पुलिस गुरुवार दोपहर जूड़पुर गांव के समीप गत दिनों हुई टुक चालक से लूट का खुलासा करते हुए चक्र लुटेरों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से लूट का चार हजार रूपए बरामद किया। पकड़े गए आरोपितों में नवाबगंज थाना क्षेत्र के आदमपुर गांव निवासी अजय विश्वकर्मा, लखनपुर निवासी उदय प्रताप, विकास एवं आदमपुर निवासी नीरज है। सभी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेजा जा रहा है।





प्रयागराज शुक्रवार, 25 सितम्बर, 2020

# क्रियायोग सन्देश

## क्रियायोग ध्यान से विषाणुओं, जीवाणुओं के विषाक्त प्रभाव से बचने की क्रिया

क्रियायोग के अभ्यास से कोशिकाओं का प्रोटोप्लाज्म में आध्यात्मिक शक्ति बहने लगती है, जिस आध्यात्मिक शक्ति के बहने से अंदर में ऐसा वाइब्रेशन बनता है कि किसी प्रकार का वाइरस व बैक्टीरिया, जो भी वहाँ विद्यमान हैं वो सत्य व अहिंसा की शक्ति से संतृप्त हो जाते हैं और वे परम शांति की अनुभूति करते हैं। जब वे शांति की अनुभूति करते हैं तो वे मल्टीप्लाई नहीं करते हैं, उनकी आबादी नहीं बढ़ती है, वो विष वमन नहीं करते हैं और फलस्वरूप वाइरस व बैक्टीरिया से सम्बन्धित सभी प्रकार की बीमारियाँ समाप्त हो जाती हैं। जिस प्रकार हम स्पेसिफिक मशीन (ट्रीटमेन्ट प्लान्ट - उपचार संयंत्र) में नाले के गंदे पानी को डालकर जब मशीन को तेजी से चलाते हैं तब वह पानी जिसको हम पहले छू भी नहीं सकते थे, उसी को पीने लायक बना दिया जाता है।

क्रियायोग में भी कुछ इसी प्रकार की प्रक्रिया होती है। क्रियायोग ध्यान करने के बाद अपने शरीर के अंदर का खून तथा और सभी प्रकार के तरल पदार्थ जैसे लिम्फ, एन्जाइम्स, हॉर्मोन्स और जितनी प्रकार की कोशिकाएँ हैं तथा कोशिकाओं के अंदर का प्रोटोप्लाज्म सभी चीजें स्पिचुअलाइज्ड हो जाती हैं। इस अवस्था में वाइरस व बैक्टीरिया से उत्पन्न बीमारियों के साथ - साथ सभी बीमारियाँ दूर हो जाती हैं।



File Photo

## KRIYAYOGA MEDITATION PROTECTS US FROM TOXIC EFFECTS OF VIRUSES AND BACTERIA AND REMOVES ALL ILLNESSES.

With the practice of Kriyayoga, the great peace, they do not multiply within our spiritual power begins to flow within in. As a result, all illnesses are removed. When we channel dirty drain protoplasm. It is through this spiritual removed. When we channel dirty drain lymph, enzymes, hormones that flow power, a unique vibration is formed water through a specific treatment within us and all the cells with cytoplasm and protoplasm within them are charged with spiritual vibrations. In this way, any ailments are removed from our body with the regular practice of Kriyayoga practice.



File Photo